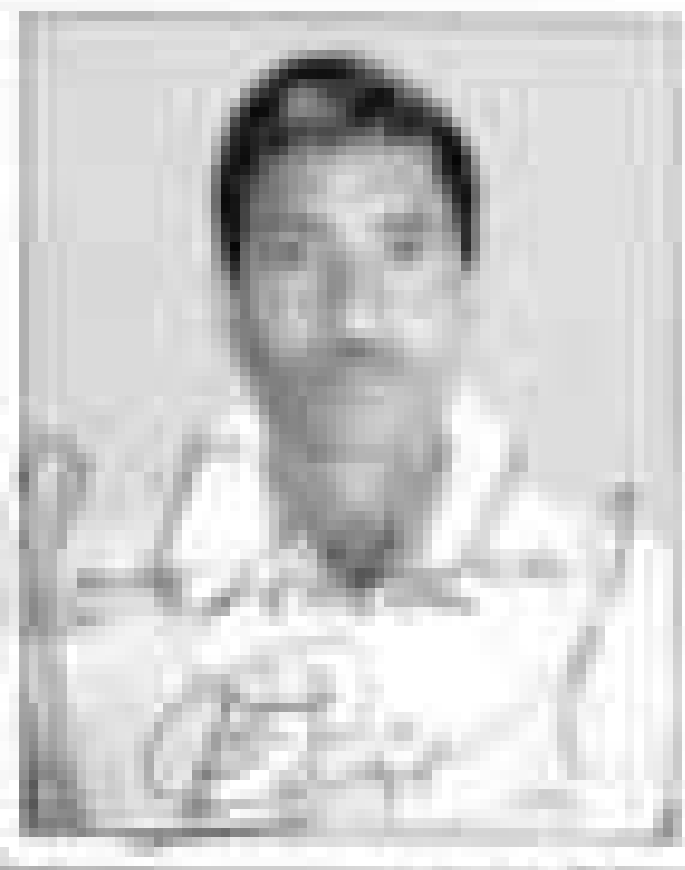


238
9/5



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

417644



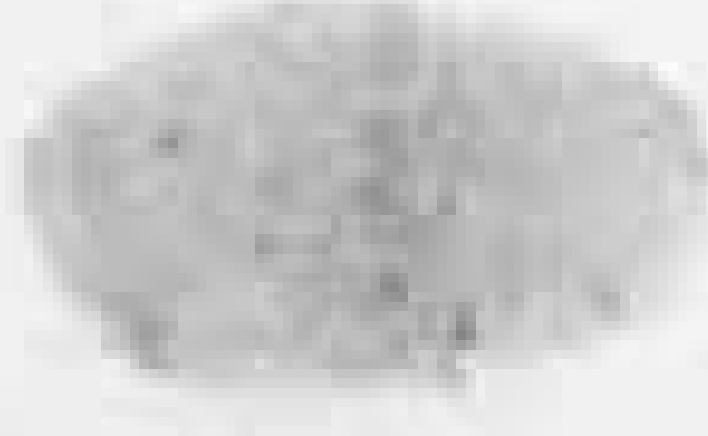
॥ जय-श्री लक्ष्मी ॥

1. भूमि का प्रकार : (कृषि/अव्यापीय/वाणिज्यिक/औद्योगिक/सैनिक/अन्य) : कृषि
2. वर्ष परमाणा : मयूरतः
3. मीहाला/प्राज : मीजा अलाल लखौल व जिला मयूरतः
4. सम्पत्ति का विवरण (सम्पत्ति नं.) : कृषि
5. मापन की इकाई : एकड़
6. सम्पत्ति का क्षेत्रफल : एकड़ 1.191 हेक्टर
7. जहाज की दिवति (परिधि के अनुसार) : मुख्य मार्ग से दूर स्थित है।
8. सरकारों अथवा समिति के तद्वय से सम्बन्धित है - : नहीं
9. प्रतिफल की दरदधि : 20,12,000/-रुपये में
10. मालियत : 7,36,000/-रु.
11. देस तदम्प : 1,61,000/-रु.

निर्वाहक अधिकारी

Signature

Signature





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

417645



(2)

12. उत्तर क्षेत्र की कृषि भूमि का लगभग 50% - 2,50,000/- रुपये प्रति एकड़। जो अर्धव्यवसायिक पद्धतियों के तहत न. 29 अर्थात् 19 पर चल रहा है।

13. उत्तर क्षेत्र अर्धव्यवसायिक द्वितीय मजदूर।

प्रथम पक्ष की संख्या : (1)

दिल्ली का विवरण

नाम : श्री सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण मिश्रा जी राम अवतार लखनऊ व जिला मजदूर।

पेशा : कृषि

द्वितीय पक्ष की संख्या : (1)

दिल्ली का विवरण

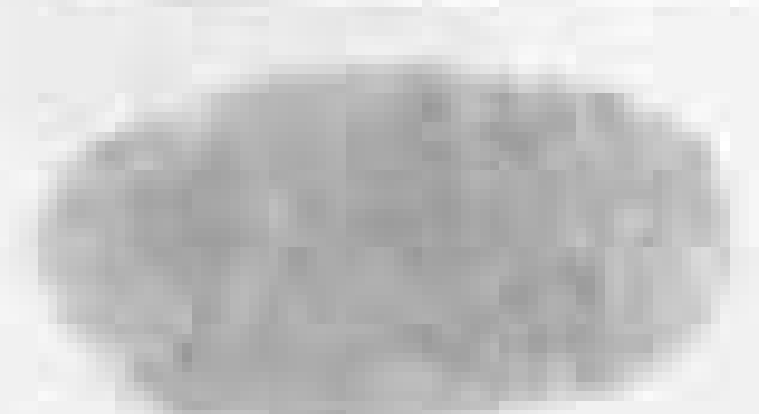
नाम : श्री वैद्युधर मिश्रा मिश्रा समिति रजि० द्वारा श्री राम अवतार अवतार पुत्र श्री सिधुधरलाल अवतार व श्री श्रीराम अवतार पुत्र श्री श्रीरामलाल मिश्राजीवन, कन्नडा नगर आगरा।

पेशा : कान्ठेबाद।

श्री सिंह

Signature

Signature





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

417646

21 MAR 2007

(3)

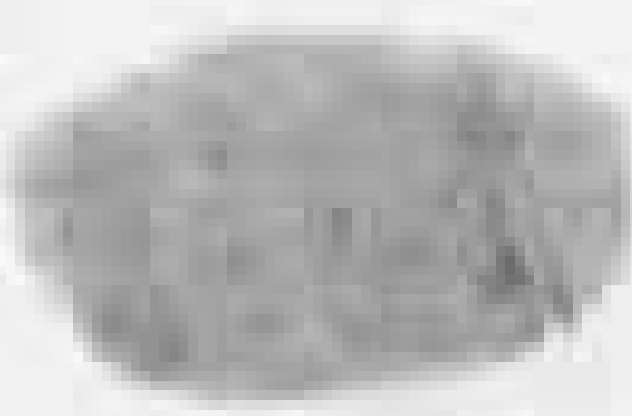
एक कि कचे सिंग पुत्र की लक्ष्मण मिश्रा की जाल जलाल लक्ष्मी व किला मधुरा, बिडेवा प्रवास पत्र व की वैशुपट सिहा विख्यात समिति एजि० द्वारा की राम अवतार अवतार पुत्र की निवचनलक्ष्मण अवतार व की नीरज अवतार पुत्र की रवीन्द्रनाथ मिश्राजीवन, कजला मकर अवतार, जेला द्वितीय पत्र के है।

जे कि आठवीं संवत्सरीय भूमिती जाला जे, 62 अकरा सें. 19 रकवा 0.397 हेक्टेअर लक्ष्मी 6.40/-रु. सालाना व जाला सें. 63 अकरा सें. 18 रकवा 0.397 हेक्टेअर लक्ष्मी 8.50/-रु. सालाना व जाला सें. 73 अकरा सें. 20 रकवा 0.397 हेक्टेअर लक्ष्मी 6.45/-रु. सालाना, कुल तीन किला कुल रकवा 1.191 हेक्टेअर, सिवात मीजा जलाल लक्ष्मी व किला मधुरा,

सिंह लक्ष्मी

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

417647



(4)

सम्पूर्ण अंश, जिसका अंश संलग्न है, प्रथम पक्ष की आराजी भूमिपती है, जिस पर प्रथम विधेता पक्ष का ही अधिकार है, जिस पर प्रथम पक्ष विधेता का ही अधिकार है तथा उक्त आराजी पर प्रथम पक्ष विधेता अधिनियम मालिक, कर्तव्य व पक्षीय वाले अर्थात् है तथा प्रथम पक्ष विधेता का ही नाम राजस्व अधिकारी व सरकारी कामकाज में दर्ज है। जिसका प्रथम पक्ष विधेता के उक्त आराजी का अंश कोई मालिक व हस्ताक्षर नहीं है और न किसी व्यक्ति द्वारा व किसी अर्थात् है तथा प्रथम पक्ष की उक्त आराजी की बाबत पूरे अधिकार व हस्ताक्षर अर्थात् के अधिकार प्राप्त है तथा उक्त आराजी किसी सरकारी संस्था या बैंक अर्थात् में बंधक नहीं है और न किसी विधि में जीतान का मुकदमा है और ऐसा कोई व्यक्ति अंश वस्तु नहीं है, जो उक्त आराजी के बंधक या हस्ताक्षर अर्थात् करने में बाधा

श्री. श्री. श्री.

Qasimul

[Signature]





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

417648



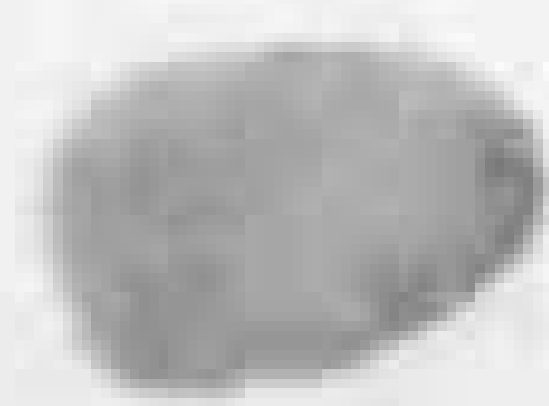
(5)

का अभाव में इस राशि और वही प्रथम पक्ष से इस आराजी की बाबत इस कुशलसमाप्त किली की राशि तब किया है। यदि हर प्रकार के कर्जों कुलुप व कर्जों अदि से एक साथ तब प्रथम पक्ष की ही आराजी है। इस आराजी से प्रथम पक्ष को कोई खार लाम व जमा नहीं है तथा कबल से भी कर्जों जमा नहीं हो पायी है और विवेका को अपने व अपने परिषद की जरूरतों के लिए धन की आवश्यकता है। अतः प्रथम पक्ष विवेका से अपनी इस आराजी भूमिधरी राशि 1.10. हैक्टोअर को विजय कर देना उचित समझा है। इस आराजी को विजय से प्राप्त धनराशि को कही और विवेका कर देने से प्रथम पक्ष को एक अच्छी व निश्चित जमा हो जायेगी और इस समय द्वितीय पक्ष इस आराजी को अच्छी कीमत देकर इस करने को तैयार है, इस कीमत में वेच देने में प्रथम पक्ष विवेका का सरासर लाभ है।

मो. कोरिह

Dangra

[Signature]





उत्तर प्रदेश **UTTAR PRADESH**

417649



(6)

सुनायि उक्त आराजी भूमिपती राजा 1,101 हेक्टर को समस्त अधिकारी सहित की प्रथम पक्ष को प्राप्त है अथवा भविष्य में प्राप्त हो यदि कुल को बिना छोड़े किसी भी एक व हिस्सा व सम्पत्ति के समस्त अधिकार व कस्टोडियन व कंट्रोल के व समस्त हक्क व अधिकारों सहित सख्त बराबरी अपने बहीखत 20,12,000/-रु. (बीस लाख बारह हजार रुपये) कि किन्हीं अन्य 10,00,000/-रु. (दस लाख कि. हजार रुपये) होने हैं बरतन की कैम्पुस निम्न विकास समिति रजि० द्वारा की राम अवतार अवधाल पुत्र श्री निरधरनाथ अवधाल व श्री बीरज अवधाल पुत्र श्री श्रीधरनाथ निवासीगल, बमला बजट अवतार, जिला द्वितीय पक्ष के एक में सेव ही और किसी कद ही और बीरज का कुल संपत्ति प्रथम पक्ष में द्वितीय पक्ष से बराब वस्तु रजिस्ट्री प्राप्त कर कब्जा

राम अवधाल

Changana

[Signature]

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

Rs.5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B 687317

1 MAR 2001

(7)

यह प्रत्यक्ष बेची गयी आराजी पर न्यूनतर द्वितीय पक्ष का प्रथम पक्ष से वाकई अपने समान पूरा
मलिकाना कर दिया। द्वितीय पक्ष बेची गयी उक्त आराजी राकम 1,101 हेक्टेयर सम्पूर्ण अंश तथा
का आज से एकमात्र मलिक व जामी हो गया। यह समस्त अधिपार मलिकाना व हस्तांतरण जमी
प्रयोग में लाने और निरा प्रकार कहे प्रयोग कहे और जो कहे लो कहे तथा अपना सम्बन्ध
सरकारी कानूनगत व राजस्व अभिलेखों में प्रथम पक्ष को उलान पर दर्ज कराये। अब बेची गयी उक्त
आराजी में प्रथम पक्ष व उसके सहितों का कुछ भी हक व हिस्सा व सम्बन्ध किसी प्रकार का बंध
नहीं रहा और न कभी अगला मलिकाना में बदलि होगा। अगर कभी कोई कलिल बेची गयी आराजी

मि. मिश्र

Signature

Signature



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000

Rs.5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B 667085



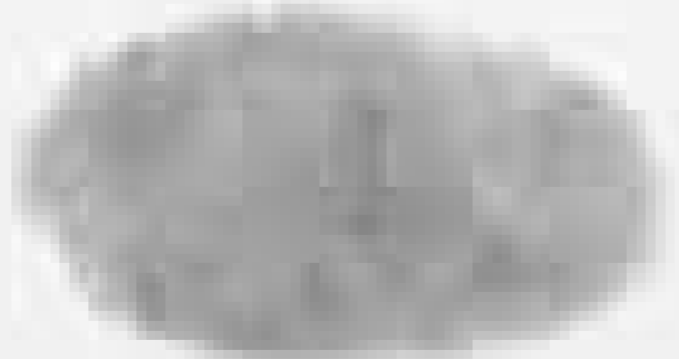
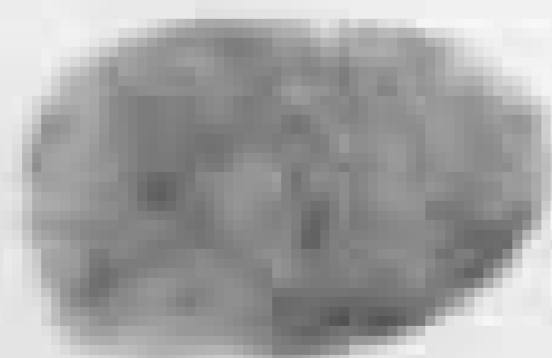
(8)

की बाबत दया या क्षमाया उपयुक्त करें और कुछ या कुछ कथन आरक्षी का द्वितीय पक्ष सेवा से
विफल जाये वा कहीं इन अदि विफल और उसकी बाबत द्वितीय पक्ष को कुछ कार्य करना पड़े
या सेवा पड़े तो प्रथम पक्ष की पूरी जिम्मेदारी होगी। द्वितीय पक्ष अपना बीमाल का दिना जका रूपका
नया इसी कार्य व लालत व अदा कार्य किये जसे स्वयं की नया मुद्र के प्रथम पक्ष व उसकी हर
प्रकार की बात अथवा सम्पत्ति से बाधायुक्त बजटिये अदालत प्राप्त कर ले, इसमें प्रथम पक्ष विवेका
व उनकी परिधि को कुछ उक्त व सेवा। कहीं कहीं आरक्षी अदालत विफल मुद्रक सेवा के बाहर विफल
है तथा मुद्रक न्याय से दूर विफल है। कहीं कहीं आरक्षी का बाजरी मुद्रक 20,12,000/-रु. है तथा
अदालतमुद्रक सम्पत्ति के बाजरी मुद्रक पर अदा किया जा रहा है और उक्त सेवा की आरक्षी का

जा नोपि

Signature

Signature





(9)

सदस्यी से 2,50,000/-रु. प्रति एकड़ का बीजे की कटाव मालिगाना - 7,25,000/-रु. है।
 विजेता अनुसूचित जाति का सदस्य है तथा विजेता ने उक्त आठवीं भूमिपट्टी को विक्रय करने की
 बाबत कार्यालय जिलाधिकारी सयुक्त जिला भूमि कानून अनुभाग की पट्टी में अनुमति पत्र सं.
 418/सात-बी/भु/का0/2007 दिनांक 07.03.2007 के द्वारा परमीशन प्राप्त कर ली है।










(10)

इसलिए यह केनास प्रथम यह ने द्वितीय यह के इस में अपनी सभी सुनी से लिख दिया, कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे। यह प्रत्येक दोषी पक्षों के निर्दोषानुसार समस्त माहाराज जमी पक्ष व सुमाकर इष्ट व दर्शन किया गया है।

Signature _____ *Signature* _____

दिनांक : 07.03.2001
दर्शन किया : 000 000 इन्स, भावना कोटी रोड, किला रोवावात, मयूर।
इष्ट किया : भारतीय सुपर नीलम एजेंसी, रजिस्ट्री कार्यालय मयूर।

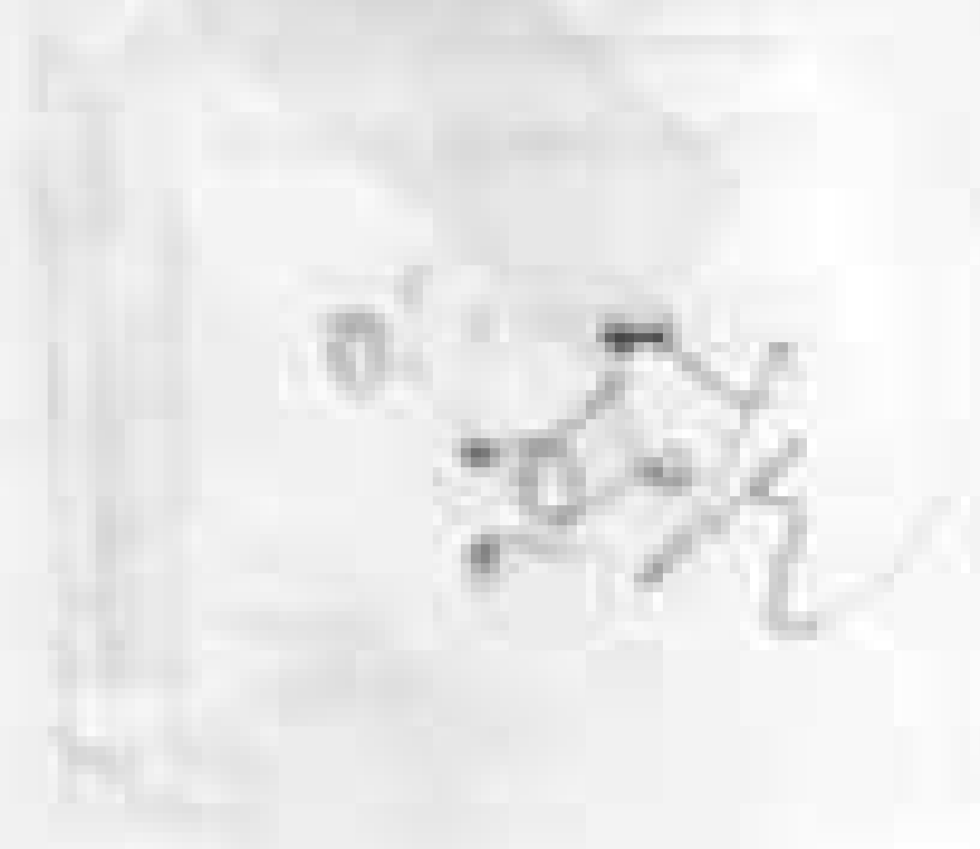
Signature

अपस्तोभक : राजेश अरुणराज सुक जो अतिरिक्त
जी प्रमाणित किया - 20 2023/2024
मार्ग - कागद

अपस्तोभक सुक जो सु-पुन लिहे
नि 000 000 इन्स, मयूर

जलदायक
दिनांक 07/03/07
पृष्ठ सं. 153 से 174 पर कलांक 2350

प्रमाणित किया गया
दिनांक 07/03/07



आज दिनांक 07/03/2007 को
पृष्ठ सं. 1 किला सं. 2236
पृष्ठ सं. 153 से 174 पर कलांक 2350
प्रमाणित किया गया।

दिनेन्द्र सिंह
उप निबंधक (द्वितीय)
मथुरा
2020007